फाइनेंशियल प्लानिंग का हिस्सा है टैक्स प्लानिंग

निवेश में सफलता के लिए एक वित्तीय योजना और निवेश रणनीति पर अमल करते हुए अनुशासन की जरूरत होती है। कर, रिटायरमेंट और बच्चों की शिक्षा के लिए योजना बनाते समय किसी के लिए भी लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक योजना बनाना अहम है। नियमित तौर पर निवेश करने से वर्ष के अंत में एक मुश्त रकम की जरूरत नहीं होती और इससे सिस्टमैटिक निवेश का फायदा भी उठाया जा सकता है। इसके अलावा कई टैक्स फंडों में निवेश की न्यूनतम राशि 500 रुपये प्रति माह तक है और ये फंड पूरे वर्ष निवेश के लिए उपलब्ध रहते हैं।

सिस्टमैटिक तरीके से निवेश करने से निवेश प्रक्रिया को लेकर चिंता कम करने में भी मदद मिलती है। रुपये की औसत लागत के आधार पर सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान का मतलब है, नियमित अंतराल पर एक निश्चित मात्रा में राशि का निवेश करना। इस तरह से आप कीमत कम होने पर ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और कीमत अधिक होने पर कम यूनिट खरीदते हैं। समय के साथ प्रति यूनिट आप की औसत लागत प्रति यूनिट की औसत कीमत से कम होने की संभावना रहती है।

सिस्टमैटिक निवेश का तरीका

माह	निवेश	एनएवी	यूनिट की संख्या
1	1000 रुपये	10 रुपये	100.000
2	1000 रुपये	12 रुपये	83.333
3	1000 रुपये	10 रुपये	100.000
4	1000 रुपये	8 रुपये	125.000
5	1000 रुपये	10 रुपये	100,000
कुल	5000 रुपये	50 रुपये	508.333

औसत एनएवी= 50/5= 10 रुपये

- आपकी औसत कीमत = आपका कुल निवेश/ यूनिट की कुल संख्या = 5000/508.333=9.84 रुपये

ऊपर टेबल में सिस्टमैटिक निवेश का तरीका दिखाया गया है। इसके जरिए आप कीमत अधिक होने पर कम यूनिट खरीदतें हैं और कीमत कम होने पर अधिक यूनिट खरीदते हैं, ऐसे में औसत लागत आपको निवेश पेशेवरों की तरह का अनुशासन देती है।

निवेश के लिए अपनाएं अनुशासित नजरिया

हर्षेंदु बिंदल
प्रेसिडेंट, फ्रैंकलिन टेंपलटन असेट मैनेजमेंट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

इसका मतलब फाइनेंशियल एडवाइजर की मदद से एक तय असेट अलॉकेशन पैटर्न बनाना है, जो कि व्यक्ति विशेष की जोखिम लेने की क्षमता और लक्ष्य पर आधारित है। इसके बाद बाजार की स्थिति की परवाह किए बिना उस पर अमल करना होता है। पहले से तय असेट अलॉकेशन आपके निर्णय से व्यक्ति परकता निकाल देता है और कम अवधि में बाजार के मूवमेंट के आधार पर आपको गलत फैसले लेने से रोकता है।

अपने निवेश को बनाएं पोर्टफोलियो आधारित

निवेश के अपने हर फैसले को इस तरह से देखें कि क्या यह आपके कुल धन को बढ़ाएगा और आपके मौजूदा पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा। इससे आप निवेश के जोखिम से भरे विचारों के पीछे भागने से परहेज करेंगे और अपनी ज्यादा बचत एक ही निवेश कैटेगरी में नहीं लगाएंगे, जोकि आपके धन के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।